एक बार आवोजी गोपाल म्हारे पावणा .....

(तर्ज–एक बार आवोजी जंवाईजी पावणा)

एक बार आवोजी, गोपाल म्हारे पावणा ।
थाने राधा जी बुलावे घर आज, साँवरिया थाँरा लाड कराँ ।।
लाड कराँ थाँरा लाड कराँ जी ।। टेर ।।
राधाजी ने मालूम होवे, रूक्मणीजी आयोड़ा है,
म्हारा घर है मोकलों काम, राधाजी म्हाने माफ करो जी ।
राधाजी म्हाने माफ करो जी म्हाने माफ करो जी ।।
एक बार आवोजी .....

राधाजी ने मालूम होवे, दाऊजी आया है,
म्हे तो दाऊजी ने जोड़ा दोनू हाथ, दाऊजी म्हाने माफ करो जी।
दाऊजी म्हाने माफ करो जी, म्हाने माफ करो जी ।।
एक बार आवोजी .....

राधाजी ने मालूम होवे ग्वाल–बाल आयोड़ा है,
म्हे तो रास रचावाँ सारी रात, राधाजी म्हाने माफ करो जी ।
राधाजी म्हाने माफ करो जी, म्हाने माफ करो जी ।।
एक बार आवोजी .....

चिंता ऐसी डाकिनी, काट कलेजा खाए।
वैद्य बेचारा क्या करे, कब तक दवा लगाए।।